metadata, citation and similar papers at core.ac.uk

brought to you by CORE

provided by CMFRI Digital Repository

चेन्नई तट में काँटा डोरियों द्वारा पीत पख ट्यूना *थन्नस अल्बाकारेस* (बोन्नाटेरे, 1788) का भारी अवरण

ट्यूना वाणिज्यिक प्रमुख मछली है जो उष्णकटिबंधीय और शीतोष्ण सागरों में उपस्थित होने पर भी इसका वितरण काफी विरल है। वर्गीकरण विज्ञान के अनुसार इनको स्कोम्ब्रिडे कुल में वर्गीकृत किया गया है जिसमें 50 जातियाँ शामिल है इन में वाणिज्यिक एवं मनोरंजक मात्स्यिकी की दृष्टि में सबसे महत्वपूर्ण हैं पीत पख ट्यूना (*थन्नस अल्बाकारस*) (चित्र - 1), स्किजैक (*काटसुवोनस पेलामिस*) नीलपख ट्यूना (*टी. टोंगोल*), फ्रिगेट ट्यूना (*ऑक्सिस थामार्ड*), मैकरल ट्यूना (*यूथिनस अफिनिस*) और स्ट्राइपिड बोनिटो (*टी. ओरियेन्टालिस*)। भारत में इनका विदोहन प्रमुखतः काँटा डोरियों, यंत्रीकृत गिलजालों और आनाय जालों द्वारा किया जाता है।

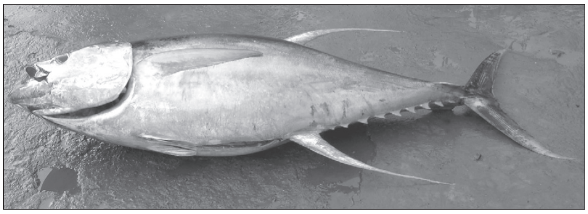

चित्र 1 थन्नस अल्बाकारस

ये आकार के आधार पर एक जाति बुहजातीय वर्गों में झुण्ड बनाते है। बडी मछलियाँ तिमियों के साथ चलती है और मछलियों, क्रस्टेशियनों और स्क्विडों को खाती है निम्न ऑक्सिजन स्तर की संवेदी होने के कारण साधारणतथा 250 मी के अधिक गहराई में ये उपलब्ध नहीं होता। ग्रीष्म ऋतु अंडजनन का श्रृंगकाल है।

2009 जनवरी -मार्च के दौरान चेन्नई मात्स्यिकी पोताश्रय में पीतपख ट्यूना का भारी अवतरण देखा गया था। 3-3-2009 को 5.5 टन की अधिकतम पकड प्राप्त हुई थी। चेन्नई की उत्तर-पूर्वी दिशा में 80-120 मी की गहराई में काँटा डोरियों का प्रचालन किया गया था। पकड में 80-90% पीतपख ट्यूना थी और अन्य थी सेइलफिश, करंजिड, सुरमई और कलवा मछलियाँ। ट्यूना पकड को प्रति कि ग्रा 80 रु की दर पर नीलाम कर दिया गया। मछलियों को साफ करके क्लोम कर्षणियाँ और आंत्र निकाल दिया गया (चित्र - 2)। साफ की गयी मछलियों को उच्च मूल्य पर निर्यात करने के लिए केरल भेज दिया गया।

चित्र 2 पीतपख ट्यूना के क्लोम कर्षणियाँ और आंत्र निकालने का दृश्य

रिपोर्टर

एम. मोहन, एस. राजपाकियम और आर. वासु

सी एम एफ आर आइ मद्रास अनुसंधान केंद्र, चेन्नई